RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

संसाधन एवं विकास

Resources and Development



CHAPTER -01 | PART-05

एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

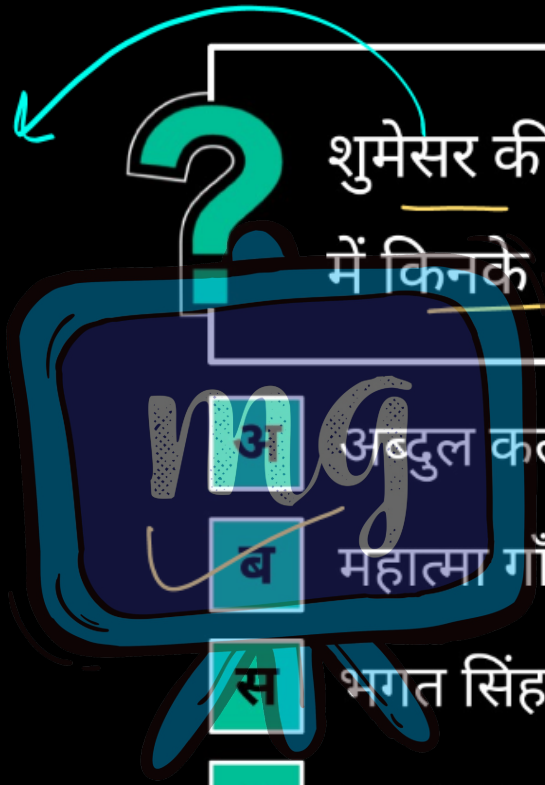
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. भू-संसाधन
2. भू-उपयोग
3. भारत - मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



शुमेसर की पुस्तक "स्माल इज ब्यूटीफुल" में किनके विचारो की पुनरावृति की गयी ?

अ अब्दुल कलाम

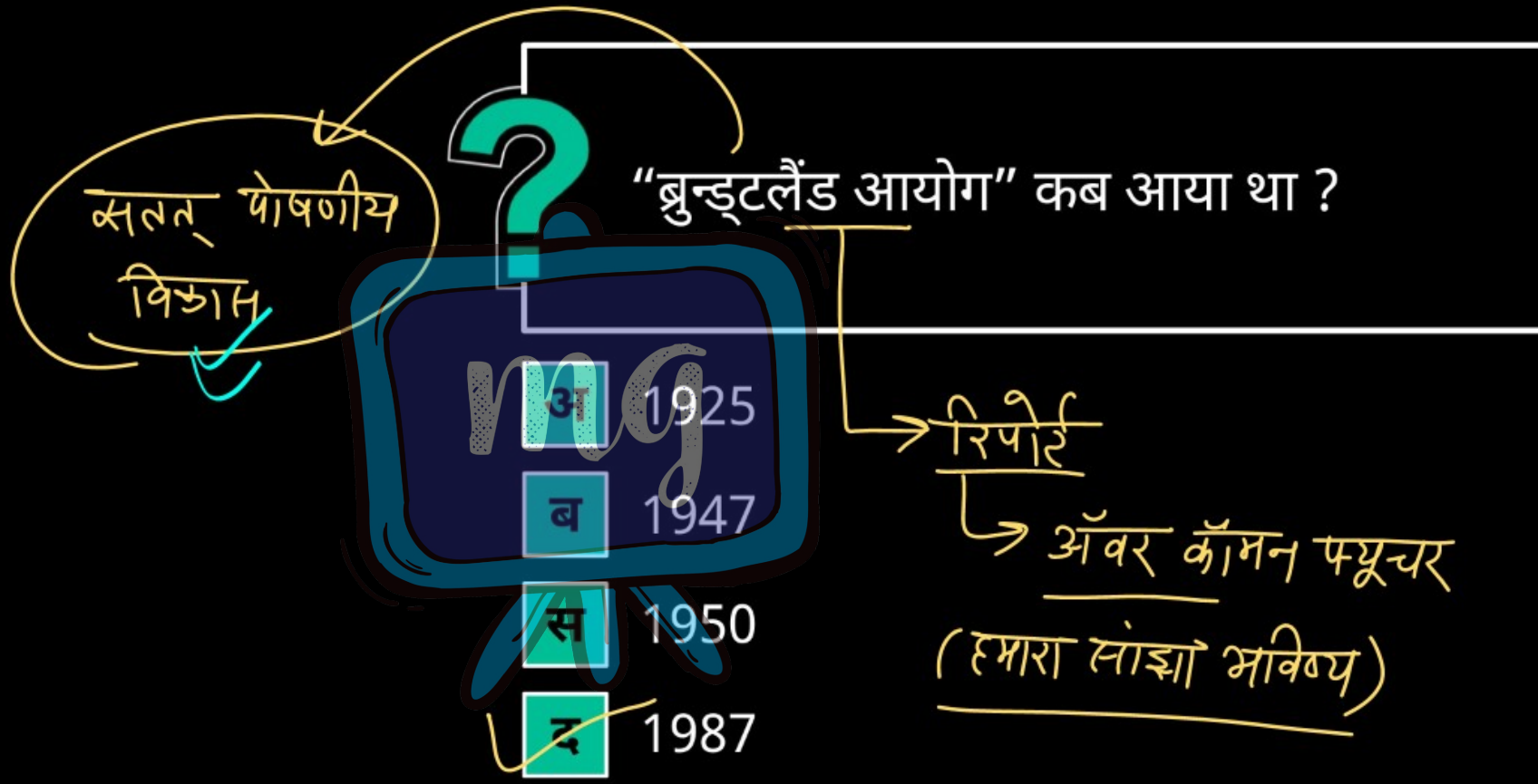
ब महात्मा गाँधी

स भगत सिंह

द वल्लभ भाई पटेल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



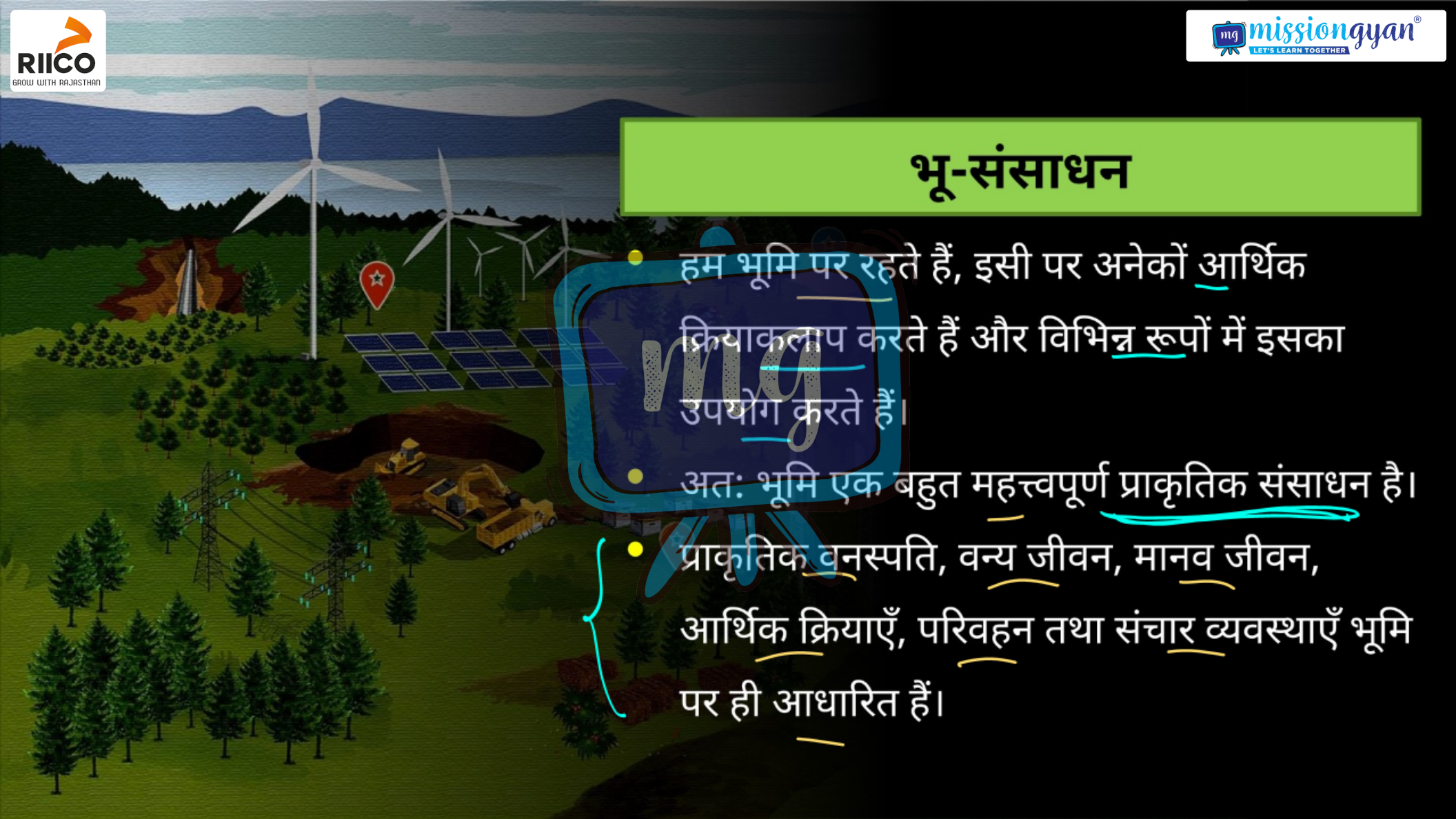
"ब्रुन्ड्टलैंड आयोग" द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट को बाद में किस पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया?

अ हमारी अलग दुनिया

ब हमारी एक दुनिया

स हमारा साँझा भविष्य

द उपरोक्त में से कोई नहीं



भू-संसाधन

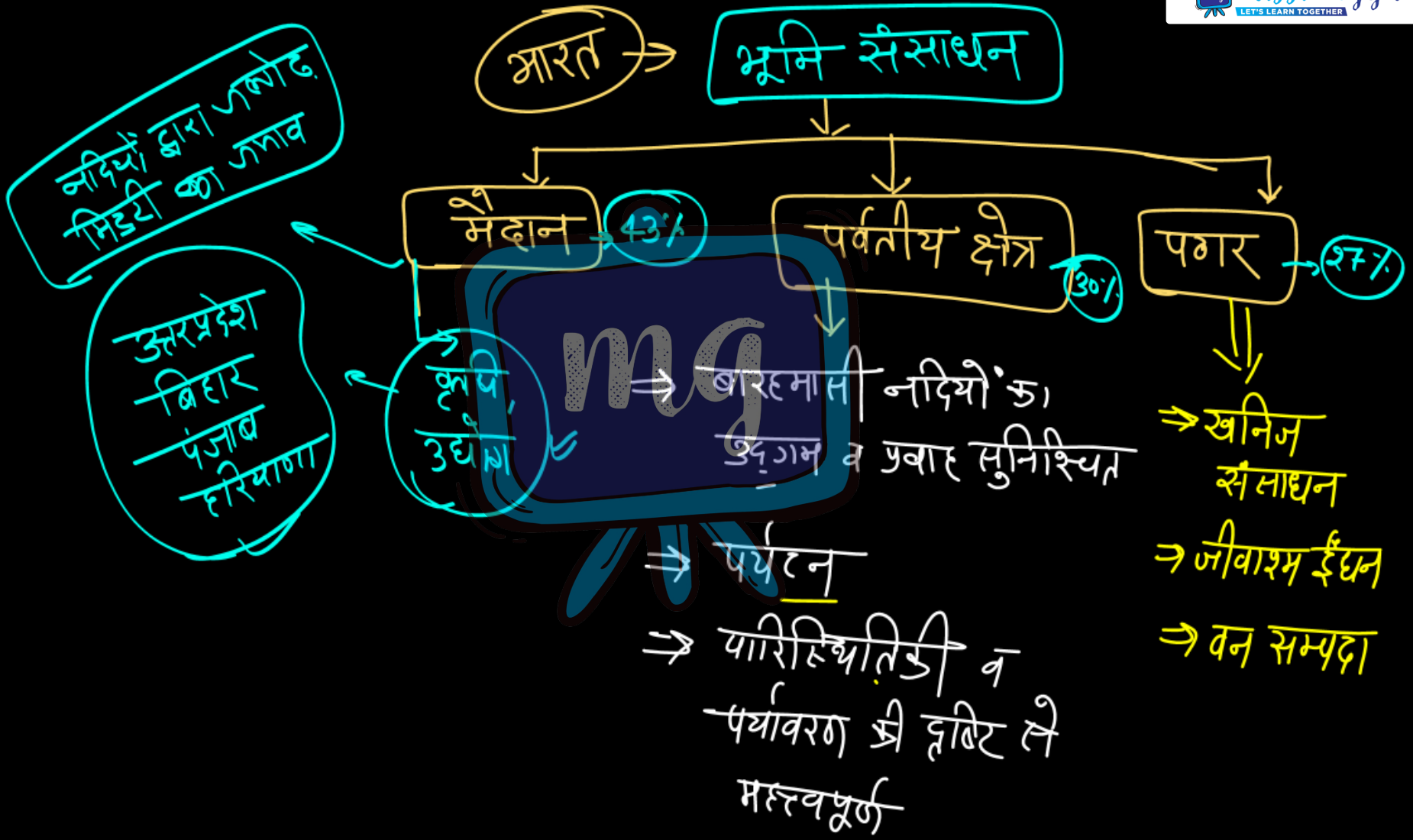
- हम भूमि पर रहते हैं, इसी पर अनेकों आर्थिक क्रियाकलाप करते हैं और विभिन्न रूपों में इसका उपयोग करते हैं।
- अतः भूमि एक बहुत महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।
- प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीवन, मानव जीवन, आर्थिक क्रियाएँ, परिवहन तथा संचार व्यवस्थाएँ भूमि पर ही आधारित हैं।



- परंतु भूमि एक सीमित संसाधन है, इसलिए उपलब्ध भूमि का विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग सावधानी और योजनाबद्ध तरीके से होना चाहिए ।

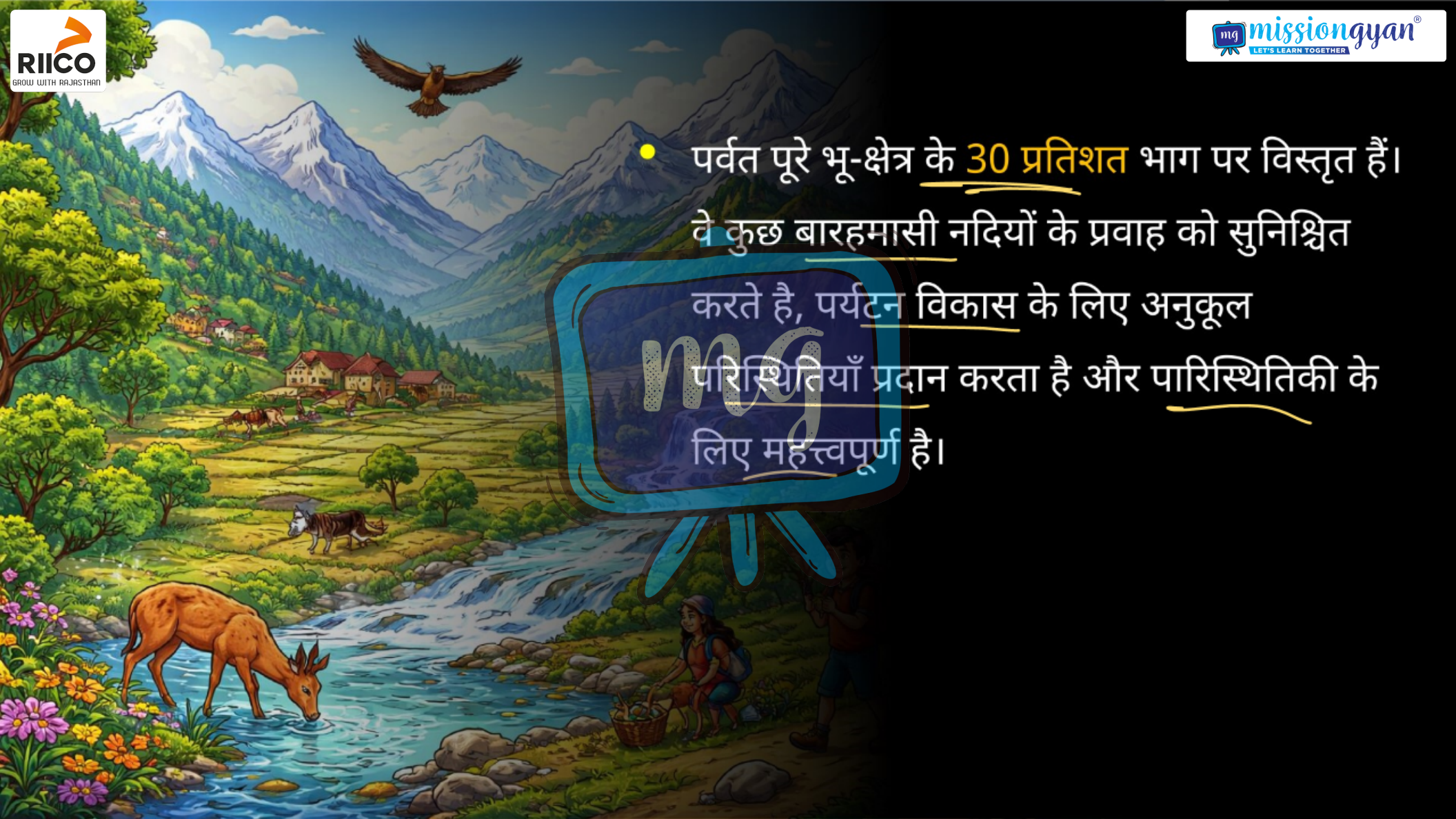
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- भारत में भूमि पर विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ जैसे पर्वत, पठार, मैदान और द्वीप पाए जाते हैं।
- लगभग 43 प्रतिशत भू-क्षेत्र मैदान हैं जो कृषि और उद्योग के विकास के लिए सुविधाजनक हैं।



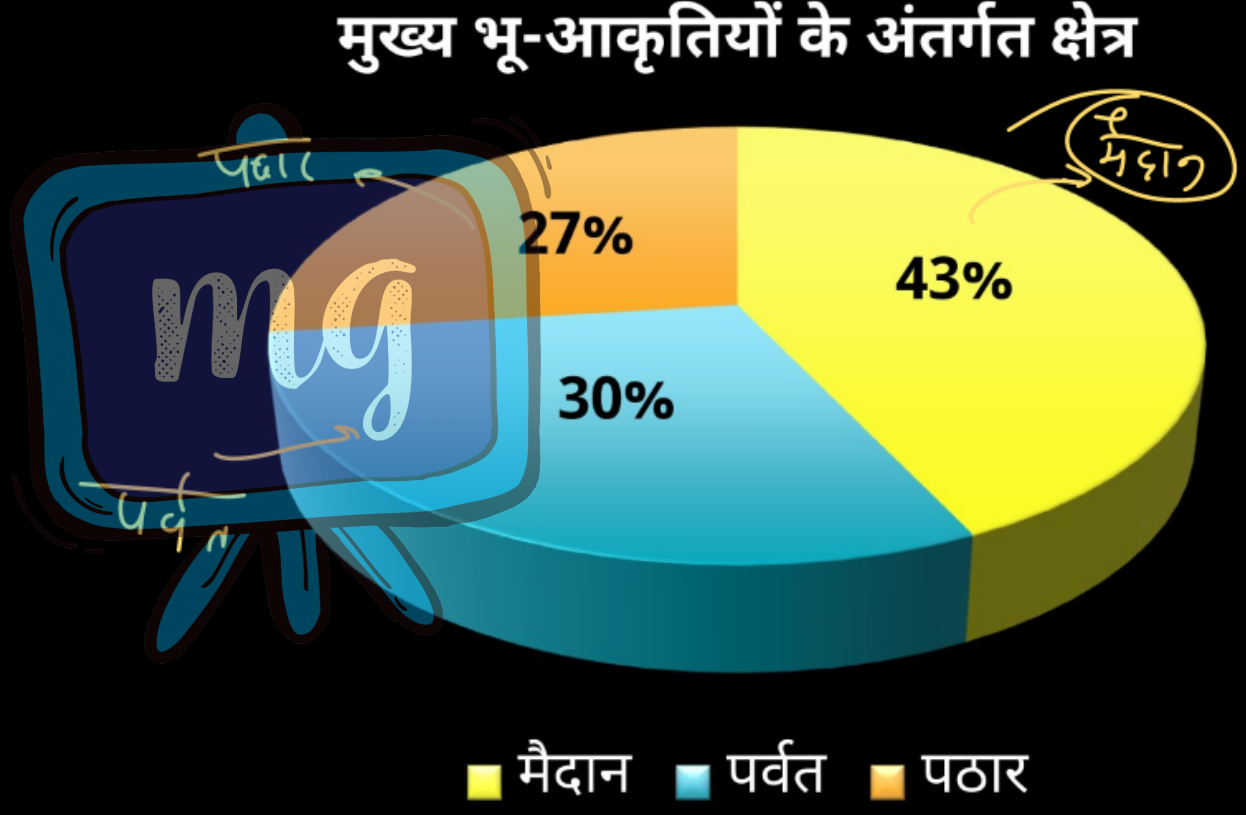
- पर्वत पूरे भू-क्षेत्र के 30 प्रतिशत भाग पर विस्तृत हैं। वे कुछ बारहमासी नदियों के प्रवाह को सुनिश्चित करते है, पर्यटन विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करता है और पारिस्थितिकी के लिए महत्त्वपूर्ण है।



- देश के क्षेत्रफल का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा पठारी क्षेत्र है। इस क्षेत्र में खनिजों, जीवाश्म ईंधन और वनों का अपार संचय कोष है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में भू-उपयोग

1 July – 30 June
कृषि वर्ष

① वन / वनों के अधीन क्षेत्र

② कृषि हेतु अनुपलब्ध भूमि
- I बंजर व कृषि अयोग्य भूमि
- II गैर कृषि प्रयोगों में प्रयुक्त भूमि

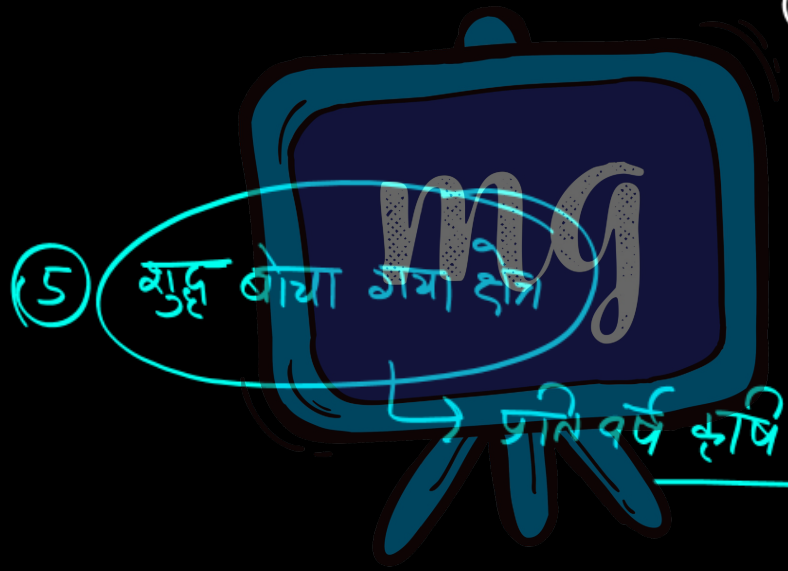
③ परती भूमि
- वर्तमान परती भूमि → 1 वर्ष से कम
- पुरातन परती भूमि → 1-5 वर्ष परती

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(4) अन्य कृषि अयोग्य भूमि →
(i) स्थाई चारागाह
(ii) गोचर भूमि
(iii) बंजर भूमि / कृषि योग्य बंजर
↳ 5 वर्ष से अधिक समय हेतु परती भूमि

(5) शुद्ध बोया गया क्षेत्र
↳ प्रति वर्ष कृषि कार्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

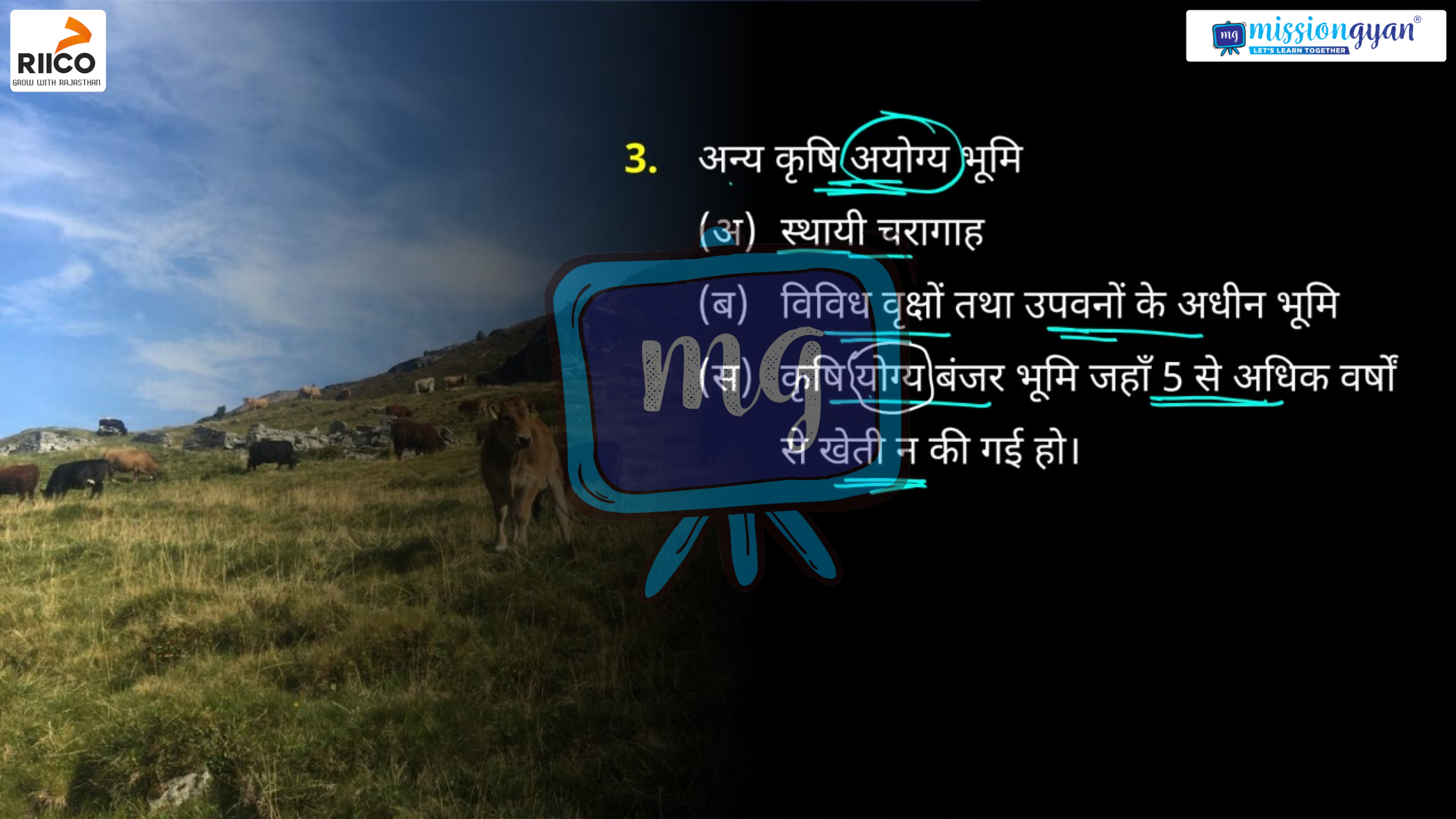
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भू-उपयोग

भू-संसाधनों का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों से किया जाता है-

1. वन
2. कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि
   (अ) बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि
   (ब) गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि

जैसे- इमारतें, सड़क, उद्योग इत्यादि ।



3. अन्य कृषि अयोग्य भूमि

(अ) स्थायी चरागाह

(ब) विविध वृक्षों तथा उपवनों के अधीन भूमि

(स) कृषि योग्य बंजर भूमि जहाँ 5 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. परती भूमि

(अ) वर्तमान परती (जहाँ 1 या उससे कम समय से खेती न की गई हो)

(ब) अन्य परती भूमि (वर्तमान परती भूमि के अतिरिक्त) या पुरातन परती (जहाँ 1 से 5 वर्ष से खेती न की गई हो)

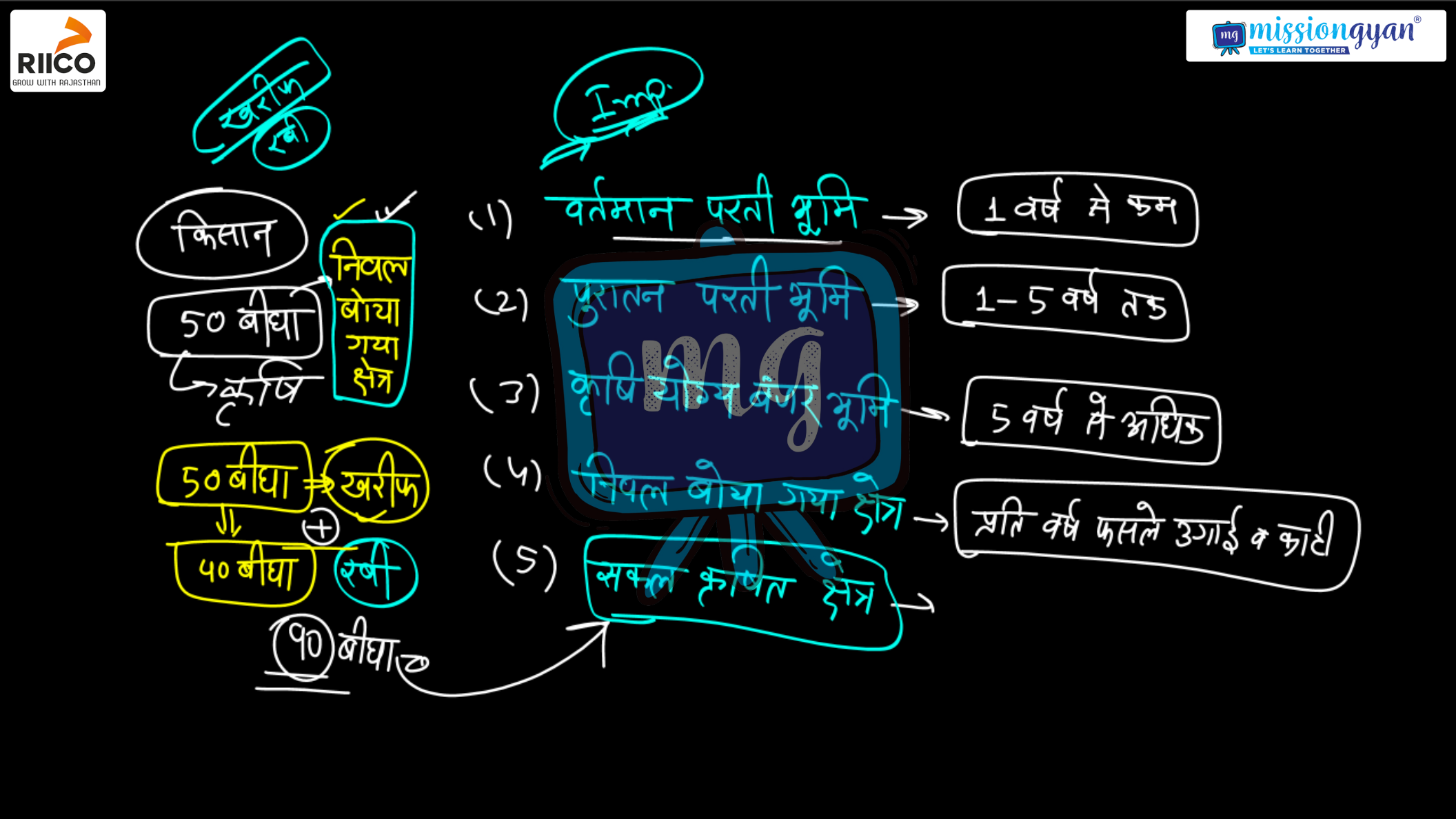
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र

- वह भूमि, जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती हैं, वह शुद्ध बोया गया क्षेत्र कहलाता है।
- एक वर्ष में एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र को, शुद्ध बोए गए क्षेत्र में जोड़ दिया जाए, तो वह सकल कृषित क्षेत्र कहलाता है।


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
खरीफ
रबी
Imp
किसान
50 बीघा
कृषि
निवल बोया गया क्षेत्र
50 बीघा
खरीफ
50 बीघा
रबी
90 बीघा
(1) वर्तमान परती भूमि → 1 वर्ष से कम
(2) पुरातन परती भूमि → 1-5 वर्ष तक
(3) कृषि योग्य बंजर भूमि → 5 वर्ष से अधिक
(4) निवल बोया गया क्षेत्र → प्रति वर्ष फसले उगाई व काटी
(5) सकल कृषित क्षेत्र →

Q.① एक किसान के पास कुल कृषि भूमि 100 बीघा है जिस पर वह कृषि कार्य करता है। सम्पूर्ण 100 बीघा पर खरीफ फसल बोयी जाती है। जबकि रबी की फसल 70 बीघा व जायद की फसल 50 बीघा पर बोयी जाती है।

(1) शुद्ध बोया गया क्षेत्र → 100 बीघा

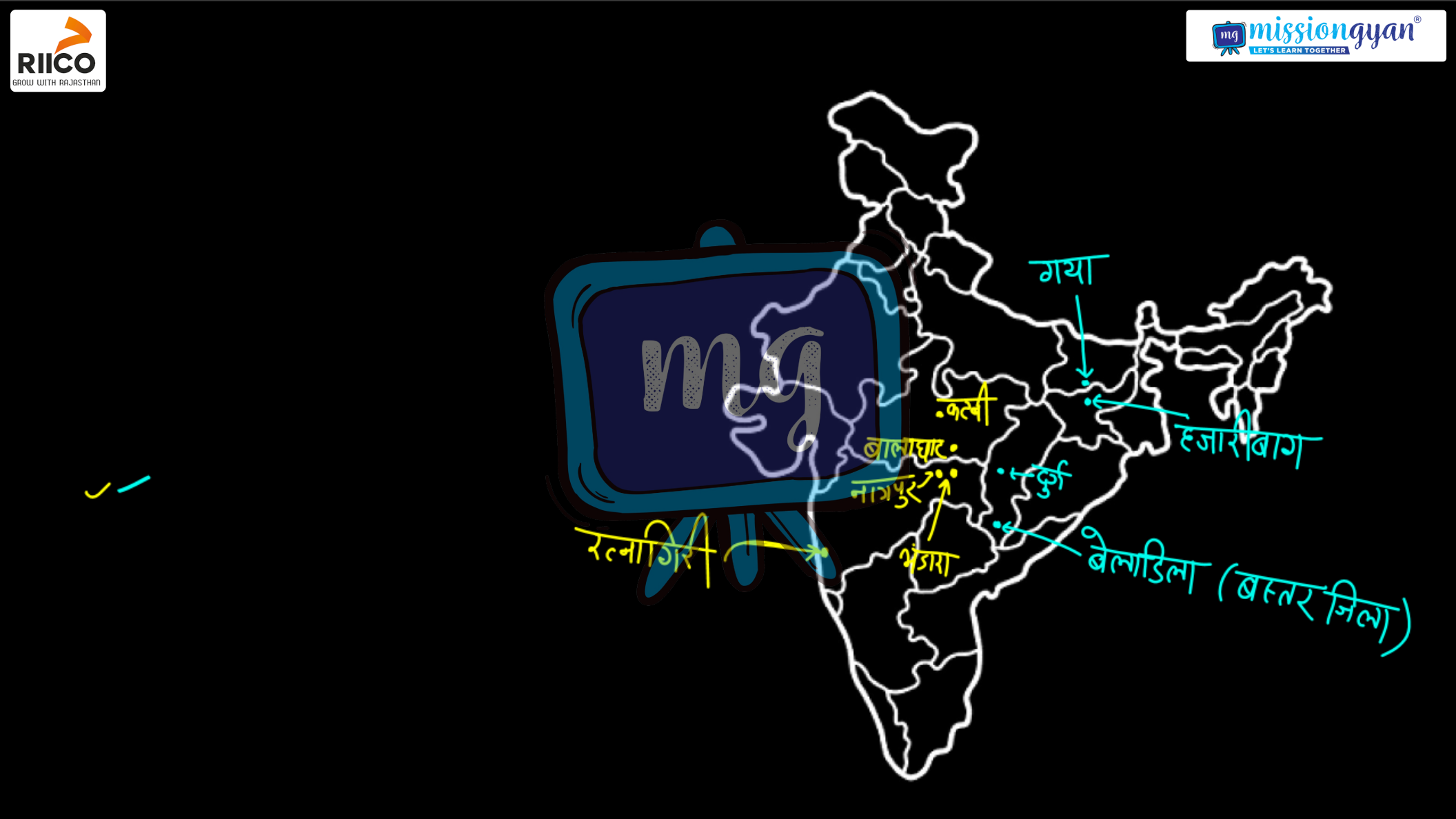
(2) सकल कर्षित क्षेत्र → 100 + 70 + 50 = 220 बीघा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




चण्डीगढ़
दिल्ली
डिब्रूगढ़
कलोल
वडोदरा
अंकलेश्वर
सिंगरौली
नहार-
-कटिया
पाराद्वीप
सिंगरौली
विशाखापत्तम्
भरमागाजो
मेंगलुरु
कोच्चि
चेन्नाई


गया
कत्नी
बालाघाट
नागपुर
हजारीबाग
दुर्ग
भंडारा
रत्नागिरी
बेलाडिला (बस्तर जिला)